

बधिरान्ध विद्यार्थियों के लिए कक्षा अनुकूलन

कई मामलों में, माता-पिता और शिक्षक अक्सर बधिरान्ध बच्चों को सामान्य विद्यालयों में शामिल करते समय चुनौतियों का सामना करते हैं। उन्हें यह समझ नहीं होता कि कक्षा में इन विद्यार्थियों की कैसे सहायता की जाए। यह संसाधन उन्हें यह समझने में मदद करेगा कि बधिरान्ध बच्चों को बेहतर ढंग से अनुकूलित होने और सीखने में कैसे सहायता की जाए।

- बधिरान्ध विद्यार्थियों को कक्षा और अन्य स्थानों जैसे पुस्तकालय, शौचालय आदि का परिचय दें, ताकि वे स्थानों की पहचान कर सकें।
- कक्षा की सभी सामग्रियों को एक निश्चित स्थान पर व्यवस्थित करें। प्रत्येक फर्नीचर और स्थान से उन्हें परिचित कराएँ, ताकि वे आसानी से सब कुछ ढूँढ सकें।
- सुनिश्चित करें कि कक्षा में पर्याप्त प्रकाश हो और आस पास शोर कम से कम हो।
- यह सुनिश्चित करें कि बधिरान्ध विद्यार्थी आगे की पंक्ति/सीट पर बैठें। इससे शिक्षक के लिए उनसे संवाद करना आसान होगा। शिक्षक थोड़ा ऊँचे स्वर में बोलें और ब्लैकबोर्ड पर बड़े अक्षरों में लिखें।
- जहाँ तक संभव हो, पढ़ने और सीखने के लिए बनाई गयी सामग्री और मॉडल वस्तुओं का उपयोग करें।
- विद्यार्थी के पसंदीदा संचार माध्यम (संकेत भाषा, मौखिक या स्पर्श आधारित भाषा) को समझें और उसी के अनुसार उनसे संवाद करें।
- अन्य विद्यार्थियों को दिखाएँ कि वे अपने बधिरान्ध सहपाठियों की कैसे सहायता कर सकते हैं।
- बच्चे की प्रगति के बारे में उनके माता-पिता के साथ नियमित बैठकें आयोजित करें।